|| उद्यमेन हिं सिध्यन्ति कार्याणी न मनौरथैः: ||

PT. CHHITARMAL LATA WELFARE SOCIETY

# PROGRESS REPORT 2024-25

## Empowering Abilities, Inspiring Lives

Ward No-16, Dantla Road,
Near New Anaj Mandi Boundary,
KHAIRTHAL,RAJASTHAN (301404)

09875107461 09252093961

Visit us-pcmwsociety.org Email- pcmwsociety@gmail.com

## A Journey of Dedication and Impact

### 19 Years of Service Towards a Dignified Life for the Differently-Abled

What began as a humble initiative to support differently-abled children has, over 19 years, grown into a committed organization — *Pt. Chhitarmal Lata Welfare Society*. This transformation has been possible due to divine grace, unwavering teamwork, and the trust of the community.

With each passing day, we learned, evolved, and deepened our understanding by working closely with children and their families. Every experience has been a step forward in realizing our mission. Today, We have not only educated children but helped them **become a part of the very society that once rejected them**. Many of our students, who were once marginalized and overlooked, are now living with confidence, dignity, and acceptance. They are no longer seen as different — they are seen as equals.

We are aware that the journey is far from over. With continued dedication and public support, we aim to strengthen our infrastructure and ensure that every child with a disability lives a life of dignity and purpose.

## About Us

Established in **2000-01**, *Pt. Chhitarmal Lata Welfare Society* has been tirelessly working in rural areas for the welfare of **persons with disabilities,**.

In **June 2004**, we established *Shiv Jyoti K.D. Manovikas School* — the first institution in **Khairthal** dedicated to children with intellectual and developmental disabilities. From starting with just **five children**, we are now proudly serving **over 500**.

---

## Our Objectives

1. To provide inclusive and vocational education for all.
2. To promote understanding and action against social discrimination.
3. To support the education and welfare of the underprivileged, persons with disabilities, marginalized individuals.
4. To encourage self-employment and skill development for person with disabilities in rural communities.

---

## Our Mission

To improve the **socio-economic conditions** and living standards of rural populations, particularly focusing on **persons with disabilities**, by enhancing **employment and income-generating opportunities**.

---

## Our Vision

- To **empower persons with disabilities** and their families through inclusive education and support services.
- To work closely with **youth and rural communities** for sustainable development.
- To ensure **equal opportunities** for rehabilitation, vocational training, and mainstream integration.

---

*"True empowerment begins when every child is given the opportunity to grow, learn, and live with dignity."*

We gathered broken syllables
from unheard voices,
stitched them into songs of courage.
Held trembling hands, not with pity,
but with purpose.
Here, ability is not measured in speed,
but in spirit.
And dignity — not granted,
but awakened.

## ❖ Our Flagship Initiatives

*Empowering Lives · Enabling Futures · Embracing Ability*

---

### Shiv Jyoti Manovikas School, Khairthal

**“A nurturing home for learning and inclusion”**

 A Special School & Help Desk for Divyangjan
 Regular Programs:
• Special Education
• Personality Development
• Pre-Vocational Training
• Inclusive Readiness Program
• Community-Based Rehabilitation (CBR)

---

### MR Home, Alwar

*In collaboration with the Social Justice Dept., Govt. of*

*Rajasthan*

 Facilities Offered:
• Safe Shelter & Medical Care
• Daily Life Assistance (Food, Clothing, Hygiene)
• Tailored Education & Vocational Training
*(Supported by CAD, Alwar)*

---

### Chunmun Academy for Divyang, Alwar

 *Special Education & Vocational Training Centre*
Focusing on individual skill development and long-term independence.

---

### Divyang Sports Federation, Alwar

 *Inclusive Sports & Youth Empowerment*
Activities:
• Multi-sport Training
• Personality Building
• Leadership & Motivation
*Supported by Special Olympics Bharat – Rajasthan*

---

*Diploma in Special Education (IDD)*
Recognized by **Rehabilitation Council of India (GOI)**
Building the next generation of special educators and change-makers.

## ❖ By the Numbers: 2025**

| Impact Area | Achievement |
|---|---|
| **Children with disabilities educated** | 500+ |
| **Years of service** | 19 Years |
| **Divyang rehabilitated** | 300+ |
| **Staff & volunteers** | 45+ |
| **Vocational trainees trained** | 200+ |
| **Athletes trained** | 150+ |
| **Special education diplomas (IDD)** | 100+ |

*"In every differently-abled child lies a story of strength."*

They called them different
we called them gifted.
Where others built walls,
we opened doors.
A voice to the voiceless,
a path to the forgotten,
this is not kindness,
this is justice —
long overdue

# ❖ Frames of 2024-25:

य आधारित पुनर्वास कार्यक्रम
दिनांक - 19-03-2025 से 26-03-2025
म इंस्टिट्यूट फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च
पका हार्दिक स्वागत करता है।

Email : pcmwsociety@gmai
समुदाय आधारित पुनर्वास कार्यक्रम
दिनांक - 19-03-2025 से 26-03-2025
कौशल्यम इंस्टिट्यूट फॉर ट्रेनिंग एण्ड रि
आपका हार्दिक स्वागत करता है।

Email : pcmwsociety@gmail.com
आधारित पुनर्वास कार्यक्रम

कौशल्यम् इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च
सामुदायिक आधारित पुनर्वास
कार्यक्रम आयोजित

शिव ज्योति के.डी. मनोविकास विद्यालय

E-mail - pcmwsociety@gmail.com
कौशल्यम् इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च

विश्व दिव्यांग दिवस (03 दिसम्बर)
कौशल्यम् इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च

।। उद्यमेन हिं सिध्यन्ति कार्याणी न च मनोरथैः ।।
PT-CHHITARMAL LATA WELFARE SOCIETY
AN INSTITUTE FOR DIVYANGJAN WELFARE
Visit us-pcmwsociety.org / E-mail : pcmwsociety@gmail.com
Mob.:9252093961,9461438661,9414993961,9461538961,9875107461
State Excellence Award
National Excellence Award

कौशल्यम् इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च
PT. CHHITARMAL LATA WELFARE SOCIETY
दिव्यांगजन कल्याणार्थ
KHAIRTHAL
9461538961

कौशल्यम् इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च
E-mail - pcmwsociety@gmail.com

कौशल्यम् इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च
E-mail - pcmwsociety@gmail.com

## Newspaper Coverage & Highlights

# दिव्यांग बच्चों के पुनर्वास में समाज व परिवार की भूमिका बताई

खैरथल | दिव्यांग बच्चों के समुचित पुनर्वास के लिए समाज और अभिभावकों की स्वीकार्यता आवश्यक है। माया कॉलोनी स्थित शिवम गार्डन में आयोजित सामुदायिक पुनर्वास कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि दिव्यांग जन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने से मानसिक भ्रांतियों का अंत हो सकता है। यह विचार दिव्यांगों के लिए काम करने वाली संस्था कौशल्यम इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एंड रिसर्च के विशेष शिक्षा डिप्लोमा द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में साझा किए गए। संस्थान के समन्वयक देवेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों ने इस्माइलपुर, दादर हेडा, रामपुर की ढाणी, जेलोता, बागोर, नगला डूंगर आदि गांवों में दिव्यांग जन का चिन्हीकरण कर उन्हें आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई।

# कोशल्यम इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग रिसर्च मे दिव्यांग बच्चो के लिए खेल कूद प्रतियोगिता आयोजित हुई

मरूधर आवाज

खैरथल तिजारा, (रवि दासवानी)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवम जिला प्रशासन शिक्षा विभाग के साथ ब्लॉक स्तरीय दिव्यांगजन हेतु खेलकूद प्रतियोगिता पूरे अलवर जिले में आयोजित करवाई गई।

इस अवसर पर निर्देशक प्रभाकर शर्मा ने बताया, की कोशल्यम इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एंड रिसर्च, खैरथल के प्रांगण में दिव्यांग बच्चों के लिए खेल कूद प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें म्यूजिक चेयर, जंपिंग, चम्मच दौड़ इत्यादि खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें ब्लॉक किशनगढ़ बास के सभी विशेष शिक्षक उपस्थित रहे। जिसमें म्यूजिकल चेयर में शिव ज्योति मनी

विकास विशेष विद्यालय की छात्रा उमा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। और जंपिंग में हर जितेंद्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, चम्मच दौड़ में नजमा बानो, वारिशाऔर योगेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

# विश्व दिव्यांगजन दिवस पर खैरथल में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

# विश्व दिव्यांगजन दिवस पर खैरथल में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

राजस्थान धड़कन न्यूज रवि दासवानी।खैरथल-तिजारा, 3 दिसंबर विश्व दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर खैरथल के कौशल्यम इंस्टीट्यूट ट्रेनिंग एंड रिसर्च सेंटर में मंगलवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट रहे कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुई। संस्थान के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रेरणादायक नाटकों के माध्यम से दिव्यांगजनों को अपनी क्षमताओं को पहचानने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने इस अवसर पर दिव्यांग क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले नरसी राम शास्त्री (दिव्यांग समाजसेवी), जुबेर खान (पैरालंपिक खिलाड़ी), प्रभाकर शर्मा (दिव्यांग स्कूल संस्थापक), और पंडित छीतरमल लाटा संस्थान को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा, 35 दिव्यांगजनों को सॉल वितरण भी किया गया। ईस अवसर पर खैरथल तिजारा के अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के जिलाधिकारी महेन्द्र कुमार जनसंपर्क अधिकारी अत्तर सिंह संस्थान के निदेशक प्रभाकर शर्मा, जयपाल सिंह गुर्जर तथा सभी दिव्यांग जन सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## सामुदायिक आधारित पुनर्वास कार्यक्रम का शुभारम्भ

खैरथल तिजारा खैरथल शहर में दिव्यागता कोई अभिशाप नहीं वरन एक स्थित है जो की मानव को शारीरिक या मानसिक रूप से कमजोर बना देती है लेकिन दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण दिव्यागता मानव का हथियार भी बन सकती है कैरियर ओरिजन नक्षत्र विद्या मंदिर के संस्थापक मनोज शर्मा ने कौशल्यम इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग के प्रशिक्षण आर्थियों द्वारा आयोजित सात दिवसीय सामुदायिक आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह में व्यक्त किया कौशल्या इंस्टिट्यूट के समन्वयक देवेंद्र शर्मा ने बताया की संस्थान के प्रशिक्षण आर्थियों द्वारा इस्माइलपुर बाजोट दादरेड़ा रामपुर की ढाणी नगला डूंगर आदि आसपास के क्षेत्र में दिव्यांग जनों का चिन्हीकरण कर उनके पुनर्वास हेतु प्रशिक्षण अभिभावकों को प्रदान किया जाएगा साथ ही सरकारी सुविधाओं से वंचित दिव्यांगों को सहायता प्रदान की जाएगी

## ग्रामीण क्षेत्रों में सात दिवसीय सामुदायिक पुनर्वास कार्यक्रम आयोजित

दैनिक खबर शेखावाटी जयप्रकाश जोशी । खैरथल शहर में दिव्यांगजनों के कल्याणार्थ कौशल्याम् इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एंड रिसर्च के संस्थापक प्रभाकर लाटा ने बताया कि डिप्लोमा इन स्पेशल एजुकेशन द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में इस्माइलपुर दादर हेडा,रामपुर की ढाणी, नागला डूंगर बाघोर आदि गांवो में सामुदायिक पुनर्वास कार्यक्रम के तहत दिव्यांग बालकों को सामुदायिक सशक्तिकरण एवं समाज में परिवार में पुनर्वास हेतु सात दिवसीय सामुदायिक पुनर्वास कार्यक्रम किया जा रहा हैं। बौद्धिक क्षमता वाले दिव्यांग जनों के घरेलू व सामाजिक पुनर्वास प्रशिक्षणार्थियों द्वारा उनके अभिभावकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है साथ ही यदि वह दिव्यांग किसी राजकीय सुविधा से वंचित है तो उसके बारे में आवश्यक जानकारी भी प्रदान की जा रही है। राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में अध्यनरत श्रवण बाधित,सेरेब्रल पाल्सी, स्वलीनता एवं बहुत विकलांगता से ग्रसित दिव्यांगजनों को शिक्षण प्रशिक्षण हेतु आवश्यक सहायक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

# पुनर्वास कार्यक्रम शुरू

खैरथल @ पत्रिका. दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं वरन एक स्थित है जो की मानव को शारीरिक या मानसिक रूप से कमजोर बना देती है। लेकिन दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण दिव्यागता मानव का हथियार भी बन सकती है। कैरियर ओरिजन नक्षत्र विद्या मंदिर के संस्थापक मनोज शर्मा ने कौशल्यम इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेंनिंग के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा आयोजित सात दिवसीय सामुदायिक आधारित पुनर्वास कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह में व्यक्त किया।

कौशल्यम इंस्टिट्यूट के समन्वयक देवेंद्र शर्मा ने बताया की संस्थान के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा इस्माइलपुर,बाजोट,दादरहेड़ा,राम पुर की ढाणी, नगला डूंगर आदि आसपास के क्षेत्र में दिव्यांगजनों का चिन्हीकरण कर उनके पुनर्वास के लिए प्रशिक्षण अभिभावकों को प्रदान किया जाएगा।साथ ही सरकारी सुविधाओं से वंचित दिव्यांगों को सहायता प्रदान की जाएगी।

# मानसिक विमंदित बालक अभिभावक को सौंपा

अलवर. मानसिक विमंदित बालक अपने अभिभावकों के साथ।

अलवर| पं. छीतरमल लाटा वेलफेयर सोसायटी की ओर से संचालित मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह आजाद नगर में चाइल्ड हेल्पलाइन सेंटर के द्वारा व बाल कल्याण समिति के आदेश से एक मानसिक विमंदित बालक का प्रवेश कराया गया। बालक की उम्र करीब 13 वर्ष व बालक मानसिक मंदता की सामान्य श्रेणी का प्रतीत होता है। बालक कम बोलता है। बालक के परिजनों ने सोमवार को बाल कल्याण समिति से संपर्क किया। बालक की पहचान अयान पुत्र हाकम खान निवासी ग्राम बलुंदता तहसील रामगढ़ के रूप में हुई। बालक को बाल कल्याण समिति के आदेश से मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह अलवर के गृह प्रभारी विक्रम गुर्जर व सभी कार्मिकों की उपस्थिति में अभिभावक को सौंपा।

PT. CHHITARMAL LATA WELFARE SOCIETY

दिव्यांगजन कल्याणार्थ

KHAIRTHAL